अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान वर्ष : 2019 **दिनांक : 20-12-2019**

समय : 3 घंटा **पांचवां वर्ष-द्वितीय प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

नव पदार्थ-निर्जरा, बंध, मोक्ष-50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें- 16

निर्जरा-किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें-

(क) भगवती सूत्रानुसार साधु किन कारणों से देवलोक जाता है?

(ख) उपकरण अवमोदरिका के कितने प्रकार हैं? नाम लिखें।

(ग) शुक्ल ध्यान के आलम्बन कितने हैं? नाम लिखें।

(घ) द्रव्य व्युत्सर्ग किसे कहते हैं?

(ङ) औपपातिक को कायक्लेश का एक प्रकार 'स्थानायतिक' शब्द का अर्थ लिखें।

(च) तीन निर्मल भाव कौन से हैं?

बंध-किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें-

(छ) आत्मा के साथ बंधने वाले कर्म कितने प्रदेशी होते हैं? एवं कितने स्पर्श वाले होते है?

(ज) 'बुज्झेज्ज तिउट्टेजा' का अर्थ बताऐं।

(झ) दर्शनावरणीय कर्म बंध हेतु के नाम लिखें।

मोक्ष-किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें-

(ञ) कर्म रहित जीव के गति कैसे मानी गई है?

(ट) अतीर्थंकर सिद्ध से आप क्या समझते हैं?

(ठ) सिद्ध जीव लोकाग्र पर जाकर क्यों रूक जाता है? कारणों के नाम लिखें।

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें- 10

(क) **निर्जरा**-कर्म परिणमन से जीव में कितने प्रकार के पारिणामिक भाव उत्पन्न होते हैं? ***अथवा*** सकाम तप का पात्र कौन है? इस सम्बन्ध में क्या-क्या अवधारणाएं हैं? उन्हें स्पष्ट करते हुए आचार्य भिक्षु का अभिमत बताऐं।

(ख) **बंध और मोक्ष**-सिद्ध जीव की अवगाहना कितनी होती है? ***अथवा*** द्रव्य का लक्ष्य और भाव बन्ध को स्पष्ट करें।

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें- 24

(क) **निर्जरा**-मोहनीय कर्म के क्षयोपशम से कौन से विशेष बोल उत्पन्न होते हैं? ***अथवा*** उदीरणा की प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए लिखें कि क्या उदीरणा सभी कर्मों की संभव है?

(ख) **बंध और मोक्ष**-प्रदेश बंध का विवेचन करें। **अथवा** सांसारिक सुख तथा मोक्ष सुख की तुलना कीजिए।

अवबोध (तप धर्म से बंध व विविध तक)–30

प्र. 1 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक दो वाक्य में दीजिए– 18

(क) सोपक्रमी व निरूपक्रमी आयुष्य किसे कहते हैं?

(ख) क्या अकाल मृत्यु होती है?

(ग) कालकरण किसे कहते हैं?

(घ) क्या कर्म के अशुभ फल को रोका जा सकता है?

(ङ) भावना और अनुप्रेक्षा में क्या अंतर है?

(च) जीव के कितनी क्रियाएं होती है?

(छ) पांच ही भावों का कितने कर्मों से संबंध है?

(ज) अबाधाकाल किसे कहते हैं?

(झ) एक भाव कहाँ होता है?

(ञ) क्या फल प्राप्ति में द्रव्य, क्षेत्र, काल आदि की भूमिका है?

(ट) कर्म का उदय चल रहा है, किन्तु उसका बंध नहीं होता, ऐसा समय कभी आता है?

प्र. 5 कोई दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखें– 12

(क) क्या कर्म आत्मा के सभी प्रदेशों के बंधते हैं? बंधने वाली कर्म वर्गणाएं क्या आठों कर्म में समान रूप में विभक्त होती हैं या न्यूनाधिक?

(ख) क्या तप के कई प्रकार हैं? तथा क्या भौतिक अभिसिद्धि के लिए भी तपस्या की जा सकती है?

(ग) अंतराल गति में स्थूल शरीर नहीं होता, स्थूल योग नहीं रहता, फिर कर्मबंध कैसे व किसके होता है? व कार्मण शरीर का संबंध आत्मा के साथ अनादिकाल से है। अनादि काल से सम्बन्धित इस शरीर का अलगाव कैसे होगा?

(घ) शुभ कमो ं को कैसे तोड़ा जा सकता है? नाम कर्म के उदय से पुण्य का बंध होता है। चौदहवें गुणस्थान में नाम कर्म का उदय चलता है, फिर वहां कर्म का बंध क्यों नहीं होता?

श्रावक-संबोध–20

प्र. 6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 8

(क) 'अण्णहा णं पासए परिहरेज्जा' का भावार्थ लिखें।

(ख) 'धर्मवृत्तिकर', 'धर्मप्रलोकी' व 'धर्मख्याति' गुणों का अर्थ बताएं।

(ग) वैशाली के सम्राट चेटक के वे दो संकल्प कौन से थे?

(घ) भगवान महावीर के प्रमुख श्रावक आनन्द को बड़ा अवधिज्ञान हुआ। वे उस ज्ञान के द्वारा उर्ध्व व अधो दिशा में कितने क्षेत्र को जानते देखते थे?

(ङ) भगवान महावीर की परम उपासिका रेवती किस नगर की रहने वाली थी, उसके घर में कौन सा पाक बना हुआ था, जिसे भगवान ने किस मुनि के द्वारा मंगाया।

(च) प्रेक्षा ध्यान की उपसंपदा–'सम्मत्तं उवसंपज्जामि' का क्या तात्पर्य है?

प्र. 7 कोई चार पद्य लिखें– 12

(क) संयुक्त परिवार-प्रथा आज छिन्न-भिन्न हो गई है, इससे संबंधित पद्य को पूरा करें।

(ख) सद्धालपुत्र की आस्था भ. महावीर के पुरूषार्थवादी अभिमत में ध्रुवतारे की तरह अटल हो गई, इससे संबंधित पद्य को पूर्ण करें।

(ग) एक वस्तु में निश्चित रूप से अस्ति-नास्ति, अनित्य-नित्य आदि विकल्प पाये जाते हैं, इस पद्य को लिखें।

(घ) तत्त्वज्ञ श्रावक जयचन्दलालजी कोठारी से सम्बंधित पद्य लिखें।

(ङ) बादर जी भंडारी का कौशल भी सबके लिए अनुकरणीय है, वह पद्य लिखें।

(च) जिसमें पर्युषण पर्व एक साथ मनाने को कहा गया है, वह पद्य लिखें।